Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भारत में 1943 में सबसे भयानक अकाल कौन सा था?

(अ) तमिलनाडू का अकाल
(ब) आंध्रप्रदेश का अकाल
(स) पंजाब का अकाल
(द) बंगाल का अकाल

2. इनमें से राशन कार्ड की प्रकार कौन सी नहीं हैं?

(अ) इनमें से कोई नहीं
(ब) नवयुवक
(स) अंत्योदय
(द) कुछ उच्च वर्ग के लोग

3. हरित क्रांति निम्न में से किन खाद्यान्नों से संबंधित है?

(अ) गेहूँ और चावल
(ब) चावल और दालें
(स) इनमें से कोई नहीं
(द) गेहूँ और दालें

4. जुलाई 1968 में कौन सी कांति लाई गई?

(अ) ए. पी. एल.
ब) ए. डी. एस.
(स) खाद्य सुरक्षा क्रांति
(द) बी. पी. एल.

5. अंत्योदय कार्ड किनके लिए होते हैं?

(अ) निर्धनता रेखा से नीचे वाले लोग
(ब) गरीबों में भी सर्वाधिक गरीब
(स) सभी
(द) औसत आय वाले लोग

6. एफ.सी.आई. का क्या अर्थ है?

(अ) फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
(ब) फेयर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
(स) फूड कमीशन ऑफ इंडिया
(द) फूड कंपनी ऑफ इंडिया

7. कृषि एक मौसमी क्रिया क्यों है?

(अ) क्योंकि इस क्रिया में केवल कुछ समय के लिए रोज़गार मिलता है
(ब) क्योंकि यह क्रिया पूर्णतः मौसम पर निर्भर है
(स) क्योंकि इस क्रिया को कभी-कभी किया जा सकता है
(द) इनमें से कोई नहीं

8. निम्नलिखित में से कौन-सी भुखमरी, मात्रा तथा गुणवत्ता के आधार पर अपर्याप्त आहार ग्रहण करने के कारण होती है?

(अ) मौसमी भुखमरी तथा दीर्घ कालीन भुखमरी दोनों
(ब) इनमें से कोई नहीं
(स) मौसमी भुखमरी
(द) दीर्घकालीन भुखमरी

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. **खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए:**
   - i. **खाद्यान्नों के भण्डारण की व्यवस्था की जाती है**
   - ii. **खाद्य पदार्थों को खरीदने की क्षमता को बढ़ाने के लिए कानून बनाए जाते हैं**
   - iii. **खादान्नों में भण्डारण, खाद्य पदार्थों को खरीदने की क्षमता को बढ़ाने के लिए कानून तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली का योगदान होता है**
   - iv. **इनमें से कोई नहीं**

   (अ) विकल्प (ii) (ब) विकल्प (iv)
   (स) विकल्प (iii) (द) विकल्प (i)

10. **निम्न में से कौन-सा कथन उचित दर की दुकान से संबंधित है?**
   - i. **गांवों कस्बों और शहरों में सरकारी दुकानों का जाल**
   - ii. **राशन कार्ड रखने वाले प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह खाद्यान्न तथा आवश्यक वस्तुएं अनुबंधित मात्रा में उपलब्ध कराना**
   - iii. **उपरोक्त दोनों** iv. **इनमें से कोई नहीं**

   (अ) विकल्प (i) (ब) विकल्प (ii)
   (स) विकल्प (iv) (द) विकल्प (iii)

रिक्त स्थान :

11. भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए _____ नामक सार्वजनिक वितरण प्रणाली का प्रयोग किया जाता है।

12. भारतीय खाद्य निगम (FCI) किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर _____ की खरीद करता है।

सत्य / असत्य

13. खाद्य सुरक्षा का अर्थ सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलब्धता, पहुँच तथा उसे प्राप्त करने की सामर्थ्य।

14. बफर स्टॉक द्वारा कमी वाले क्षेत्रों में बाज़ार से अधिक कीमत पर अनाज वितरण किया जाता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. अकाल को परिभाषित कीजिए।

16. 11वीं से 17वीं शताब्दी के बीच भारत ने कितने अकालों का सामना किया?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. बफ़र स्टॉक पर टिप्पणी करें।

18. राशनिंग क्या है? इसका उपयोग क्यों किया जाता है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. अन्त्योदय अन्न, योजना (AAY) एवं अन्नपूर्णा योजना (APS) के अर्थ को समझाइए।

20. सार्वजनिक वितरण प्रणाली क्या है?

HOTS

21. क्या आप मानते हैं कि हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया है? कैसे?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (द) बंगाल का अकाल।
2. (द) कुछ उच्च वर्ग के लोग।
3. (अ) स्वतंत्रता के बाद कृषि क्षेत्रों में गेहूँ और चावल की पैदावार में स्टॉक रूप में आई वृद्धि को हरित क्रांति कहा गया। हरित क्रांति गेहूँ और चावल खाद्यान्नों से संबंधित है।
4. (द) बी. पी. एल.
5. (ब) गरीबों में भी सर्वाधिक गरीब
6. (अ) फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
7. (ब) यह क्रिया पूर्णतः मौसम पर निर्भर है, मौसम से प्रभावित होती है इसलिए कृषि एक मौसमी क्रिया है।
8. (द) दीर्घकालीन भुखमरी मात्रा तथा गुणवत्ता के आधार पर अपर्याप्त आहार ग्रहण करने के कारण होती है जबकि भुखमरी तो फसल उपजाने और काटने के चक्र से संबंधित होती है।
9. (स) खाद्यानों में भण्डारण, खाद्य पदार्थों को खरीदने की क्षमता को बढ़ाने के लिए कानून तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली का योगदान होता है।
10. (द) प्रत्येक क्षेत्र में गाँवों, कस्बों और शहरों में सरकारी दुकानों का ऐसा जाल बिछाया जाता है जिसके द्वारा राशन काई रखने वाले प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह खाद्यान्नों एवं आवश्यक वस्तुओं को अनुबंधित मात्रा में उपलब्ध कराया जाता है। ऐसी दुकाने उचित दर की दुकानें होती हैं।
11. **रिक्त स्थान :** सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS)
12. **रिक्त स्थान :** अनाज
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. अकाल उस परिस्थिति को कहते हैं जिसमें किसी क्षेत्र या देश की जनसंख्या का बड़ा भाग अल्प भोजन और कुपोषण से ग्रस्त होता है, जिसके कारण भुखमरी, जीवन का साधारण अंग बन जाती है।
16. 11वीं से 17वीं शताब्दी के बीच भारत ने 14 अकालों का सामना किया।
17. बफर स्टॉक (Buffer stock)- अतिरिक्त भंडार गेहूँ एवं चावल जैसे अनाजों का स्टॉक है जो सरकार द्वारा भारतीय खाद्य निगम (FCI) से प्राप्त किया जाता है। इनका वितरण घाटे के क्षेत्रों एवं आवश्यक लोगों को किया जा है।
18. राशनिंग उस मात्रा पर प्रतिबंध को दर्शाती है जो उपभोक्ताओं द्वारा क्रय एवं उपयोग की जा सकती है। राशनिंग उन गरीब उपभोक्ताओं के लिए वस्तुओं की उपलब्धि को सुनिश्चित करती है जो कि स्वतंत्र बाज़ार में वस्तुएँ प्राप्त नहीं कर पाते सीमित वस्तुएँ जैसे- मिट्टी का तेल, सीमेंट, वनस्पति घी आदि वस्तुएँ भी राशन कार्ड द्वारा बेची जाती हैं।
19. **अन्त्योदय अन्न योजना (AAY)-** इस योजना को 25 दिसंबर 2000 में लागू किया गया था। यह 10 लाख गरीब परिवारों के लिए शुरू की गई एक कल्याणकारी योजना है। इस योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे पाए जाने वाले परिवारों की पहचान की गई। प्रत्येक पहचान किए गए परिवार को 25 किलोग्राम अनाज अत्यधिक रियायती मूल्य पर प्रदान किया गया। गेहूँ का मूल्य 2 रुपये प्रति किलों और चावल 3 रुपये प्रति किलो दर पर प्रदान किए गए। अप्रैल 2002 से खाद्यान्न की मात्रा 25 किलो से बढ़ाकर 35 किलो कर दी गई। इसके पश्चात् इस योजना का प्रसार गरीबी रेखा के नीचे पाए जाने वाले 50 लाख अन्य परिवारों में किया गया। यह वृद्धि जून 2003 एवं अप्रैल 2004 में की गई इस वृद्धि से दो करोड़ परिवारों को सहायता प्रदान की जाती है।

अन्नपूर्णा योजना (APS)- यह वर्ष 2000 में सीनियर नागरिकों को 10 किलोग्राम मुफ्त अनाज प्रदान करने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के रूप में आरंभ की गई। इस योजना का उद्देश्य ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करना है जो असहाय, अत्यंत गरीब और अभावग्रस्त है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें जहाँ चाहें जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

20. सरकार द्वारा विनियमित बिंदु पर आवश्यक वस्तुओं के वितरण को सार्वजनिक वितरण प्रणाली कहते हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली, न केवल खुले बाजार में महत्वपूर्ण वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित रखती है बल्कि उनके सामाजिक वितरण को भी सुनिश्चित करने में सहायता प्रदान करती है।

i. हमारे देश में लगभग 4,60,000 राशन एवं उचित कीमत की दुकाने हैं जो संपूर्ण देश में फैली हुई हैं। मिट्टी का तेल, गन्ने, कोयला आदि भी सरकारी उचित कीमत की दुकानों के द्वारा बेची जाती है।

ii. उपभोक्ता सहकारी समितियाँ (cooperatives) भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के ऐजेंट के रूप में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन सहकारी समितियों द्वारा विनियमित तेल भी बेचा जाता है।

iii. सुपर बाज़ार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की एजेंसी के रूप में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दिल्ली में विभिन्न गतिशील मोटर वाहन (vans) को भी दिल्ली प्रशासन एवं सुपर बाज़ार द्वारा प्रारंभ किया गया है। जिससे शहर के प्रत्येक हिस्से में आवश्यक वस्तुओं का प्रवाह किया जा सके।

iv. दिल्ली दुग्ध योजना एवं मदर डेयरी भी दूध की आपूर्ति उचित दर (fair price) पर करती है। जनजातियों के क्षेत्रों (triable areas) में भी विशेष सहायता योजना (special subsidieed scheme) के अंतर्गत अनाज को रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जाता है।

21. स्वतंत्रता के पश्चात् खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के सभी उपाय किए गए। भारत ने कृषि में एक नयी रणनीति अपनाई। जैसे-हरित क्रांति के कारण गेहूँ उत्पादन में वृद्धि हुई। गेहूँ की सफलता के बाद चावल के क्षेत्र में इस सफलता की पुनरावृत्ति हुई। पंजाब और हरियाणा में सर्वाधिक वृद्धि दर दर्ज की गई, जहाँ अनाजों का उत्पादन 1964-65 के 72.3 लाख टन की तुलना में बढ़कर 1995-96 में 3.03 करोड़ टन पर पहुँच गया, जो अब तक का सर्वाधिक ऊँचा रिकार्ड था। दूसरी तरफ, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में चावल के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अतः हरित क्रांति ने भारत को काफी हद तक खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया है। भारत में हरित क्रांति की सफलता के पहले भारत खाद्यान्नों की पूर्ति के लिए विदेशों पर निर्भर था परंतु हमारे आयात नगण्य मात्र है।

100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App